दिग्दर्शिका

पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

वार्षिक रिपोर्ट

सन् 2020 – 2021

---

10 रोहित नगर फेस–1 बावडियाकलां भोपाल (म.प्र.)– 462039
Ph. 0755-2562611 Web: www.digdarshika.in,
e-mail: dirr89@rediffmail.com, digdarshikabhopal@gmail.com

स्थापना

सन् 1989, अविभाजित मध्यप्रदेश की एक मात्र अग्रणी संस्था जिसने मानसिक स्वास्थ्य (मानसिक बीमारी एवं मानसिक विकलांगता) के क्षेत्र में जागरूकता, सेवा एंव पुनर्वास का प्रयास जारी रखा है। विगत 32 वर्षों से अथक परिश्रम एवं पूर्ण निष्ठा से संस्था मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में शिक्षण–प्रशिक्षण एवं पुनर्वास का कार्य निरंतर कर रही है।

संस्था का दर्शन इसके लोगो, काली सफेद अर्धगोलाकार आकृति यीन–यांग की अवधारणा पर आधारित है। यह प्रतिक दर्शाता है प्रकाश एवं अंधकार सदैव के लिए नहीं रहते, घोर अंधकार के गर्भ में एक नन्हा प्रकाश पुंज विद्यमान रहता है, ठीक इसके विपरित चौधिया देने वाले प्रकाश के गर्भ में अंधकार का एक बीज विद्यमान होता है। इन दोनों के बीच निरंतर तारतम्यता बनी रहती है, जो एक दूसरे के महत्व एवं अस्तित्व को बनाए रखते है।

यह प्रतिक सदैव संस्था का मार्ग प्रशस्त करता है एवं प्रेरणा देता है निरंतर चलने की। मार्ग चाहे अंधकार से प्रकाश की ओर हो या प्रकाश में अंधकार का अंदेशा।

दृष्टि (VISION)

व्यक्ति जिनमें मानसिक अक्षमता ,अस्वस्थता एवं अन्य संबंधित अवस्थाएँ हैं, उनके लिए बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करना।

मेरा यह मानना है कि किसी भी विस्तृत उद्देश्य को पूरा करने के लिये यह आवश्यक नही है की हम स्वयं ही सभी जगह उपलब्ध रहें। वरन् उद्देश्य प्राप्ति का सर्वाधिक उपयुक्त उपाय है मानव संसाधन । कल्पना कीजिये जब अनेक मस्तिष्कों के विचार और अनेक हाथ मिलकर एक ही दिशा में अग्रसर होंगे तो लक्ष्य प्राप्ति कितनी सहज होगी। मैं चाहती हूँ मेरा मिशन मानव श्रृंखला द्वारा ही पूरा हो।

मिशन (MISSION)

- मानसिक स्वास्थ्य एवं अक्षमता के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास करना।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं अक्षमता के क्षेत्र में तकनीकी सलाह तथा सेवाऐं प्रदान करना।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं अक्षमता के क्षेत्र में अनुसंधान एवं सूचनाओं का संकलन करना एवं प्रतिपादन करना।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं अक्षमता के लिये विभिन्न विशिष्ट सेवाऐं प्रदान करना।
  (अ) जो मानव संसाधन के विकास कार्यक्रम हेतु प्रयोगशाला का कार्य करें।
  (ब) प्रादर्श सेवाओं के रूप में कार्य करें।

  मेरी पहचान बनाने में मेरे परिवार की अहम भूमिका है, इनके बिना मेरी पहचान, मेरा अस्तित्व अधूरा है या यूँ कहें कि ये मेरी पहचान है। आइये आपका परिचय इनसे करवायें।

गतिविधियाँ

संस्था, निरन्तर अपने मूल उद्देश्यों की पूर्ति के लिये मानसिक निःशक्त बच्चों /व्यक्तियों हेतु शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास कार्यक्रमो का संचालन कर रही है। जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

सेवाएं
दिशा कम विकास सेन्टर

1. दिग्दर्शिका "दिशा "सेन्टर (शीघ्र हस्तक्षेप एवं विद्यालय पूर्व कौशल कार्यक्रम)

राष्ट्रीय न्यास द्वारा अनुदानित (0 से 10 वर्ष के दिव्यागो हेतु) दिग्दर्शिका दिशा सेन्टर के नाम से **शीघ्र हस्तक्षेप एवं विद्यालय पूर्व कौशल** कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इसमे मानसिक मंद,स्वपारायण्ता,प्रमस्तिष्क अंगघात एवं बहु विकलांगता से ग्रसित बच्चों को **शीघ्र हस्तक्षेप एवं विद्यालय पूर्व कौशल** सेवाऐं प्रदान कर उन्हे स्कूल के प्रवेश हेतु तैयार किया जा रहा है। जिन्हें विशेष शिक्षण, भौतिक चिकित्सा, व्यवसायिक चिकित्सा, वाक चिकित्सा,व्यवहारिक चिकित्सा, व्यवहार परिवर्तन, व्यक्तिव विकास एवं वैयक्तिक शिक्षण कार्यक्रम आदि की सेवाऐं विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही है।

2. दिग्दर्शिका "विकास" सेन्टर (डे केयर, व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण केन्द्र)

राष्ट्रीय न्यास द्वारा अनुदानित 10 वर्ष से अधिक उम्र के निःशक्त बच्चों/व्यक्तियों हेतु संस्थान द्वारा डे केयर व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा है। जिसमें विशेषज्ञो एवं विशेष शिक्षको के माध्यम से चिकित्सीय, शैक्षणिक, व्यवसायिक एवं व्यक्तित्व विकास संबधित सेवाऐं दी जा रही है। जिससे उनके स्वयं के क्रियाकलाप में आत्मनिर्भरता आ रही है। तथा पूर्व व्यवसायिक कौशल एवं व्यवसायिक कौशल मे निपुणता प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान समय में दिशा कम विकास केन्द्र में 31 विशेष विद्यार्थी पंजीकृत है।

इस वर्ष मार्च 2020 से कोविड–19 के कारण दिशा कम विकास केन्द्र की केन्द्र आधारित सेवाएं स्थगित रही, इस समय शासन के कोविड–19 के दिशानिर्देशो का पूर्ण पालन किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा अप्रैल माह से BPL श्रेणी विशेष बच्चो के परिवारो को निरन्तर राशन वितरण किया गया।

दिशा कम विकास केन्द्र द्वारा कोविड–19 के कारण सुरक्षित एरिया के विशेष बच्चो को Home Visit द्वारा विशेष शिक्षा, फिजियोथैरेपी एवं आक्यूपेशनल थैरेपी दी गई।

केन्द्र के BPL श्रेणी के बच्चो के अभिभावक को विडियो कॉल सुविधा एवं विडियों के माध्यम से शिक्षा देने हेतु 2 अभिभावको को मोबाईल भी प्रदान किये गये।

दिशा कम विकास केन्द्र के विशेष बच्चों को NIMH सिकंनदराबाद द्वारा 16 TLM किट का वितरण किया गया।

16 मार्च 2020 से 31 मार्च 2021 तक केन्द्र आधारित सेवाएं पूर्णतः स्थगित रही परन्तु अभिभावको की समस्या के समाधान, व्यवाहरिक परामर्श की सुविधा वर्ष भर विडियो कॉल एवं फोन द्वारा दी गई। केन्द्र के विशेष बच्चो के अभिभावको को मई माह से विशेष बच्चो की समस्या हेतु विशेष शिक्षको एवं थैरेपिस्ट से पृथक–पृथक मिलने की अनुमति भी प्रदान की गई।

कोविड–19 की शासन द्वारा दिये गये निर्देशो का पूर्णतः पालन किया जा रहा है।

3. समावेशित शिक्षा कार्यक्रम

संस्था ने अगस्त 2013 से समावेशित शिक्षा कार्यक्रम का आरम्भ पॉल हैमलिन फाउण्डेशन की सहायता से भोपाल शहर की मलिन बस्तियों में रहने वाले विकलांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़कर उनका पुनर्वास करने हेतु किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु समूह के मलिन बस्ती के बच्चों को सामान्य स्कूल में नामांकन कराया गया और उनको विशेष शिक्षको की सहायता से वहां पर ही विशेष विधियों एवं सामान्य विधियों द्वारा शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन बच्चों को सरकार द्वारा मिलने वाली समस्त सुविधाओं को भी उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि उनको आत्मनिर्भर बनाने में कोई परेशानी न आये। अब तक हुए सर्वेक्षण में कुल 614 बच्चे प्राप्त हुए हैं। इन में से 280 बच्चों की विद्यालय प्रवेश हेतु नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। वर्तमान समय में ये बच्चें सामान्य स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे है तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे है। कुल 508 बच्चों में 366 बच्चों के पास विकलांगता प्रमाण पत्र एवं 226 बच्चों का बैंक खाता खुल गया है ये बच्चे मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता शिविर का आयोजन भी इन

बस्तियों में किया गया है तथा अभिभावक प्रशिक्षण एवं शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी किये गया।

पुनर्वास

4. संरक्षित कार्यशाला

संस्था द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के मानसिक निःशक्त व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गोविन्दपुरा औद्योगिक क्षेत्र में सितम्बर 2012 से संरक्षित कार्यशाला आराम्भ की गयी इस कार्यशाला में 30 मानसिक निःशक्त व्यक्ति विशेष शिक्षक की देखभाल मे सुरक्षित वातावरण में रहते हुए कार्य करते है। जहां पर इनको कार्यक्षमता के अनुसार इनसे कार्य कराया जाता है 2500 से 4500 रू. मानदेय प्रतिमाह दिया जाता है।

संरक्षित कार्य शाला में निम्न लिखित उत्पादक इकाई कार्यरत है।

- **गुडरीक चाय पैकिंग"इकाई"** – गुडरीक चाय कम्पनी द्वारा संस्थान में गुडरीक चाय पैकेजिंग इकाई वर्ष 2012 से स्थापित की गयी है। इस इकाई में गुडरिक चाय की पैकिंग प्रति दिन 1500 किलो ग्राम से 1800 किलो ग्राम तक की जाती है एवं चाय पैक होकर वापस गुडरिक कम्पनी को चली जाती है।

- **पैपर केरी बैग "इकाई"** – संस्था द्वारा वर्ष 2010 से इस इकाई का आरम्भ किया गया,इस इकाई में म.प्र. हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम "मृगनयनी" हेतु पैपर कैरी बैग बनाये जा रहे हैं।

- **टेराकोटा दिया"इकाई"**– संस्था द्वारा वर्ष 2010 में भारतीय स्टेट बैंक की सहायता से टेराकोटा के दिये बनाने की इकाई का आरम्भ किया गया। निःशक्त व्यक्तियों द्वारा दीपावली के समय विभिन्न डिजाइन के दिये तैयार किये जाते हैं जो म.प्र. के कई जिलों में तथा शिल्पोत्सव नई दिल्ली में विक्रय किये जाते रहे हैं।

इस वर्ष 26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं निःशक्त कल्याण विभाग द्वारा लगाई गई झॉकी में **''आत्मनिर्भर भारत''** के विषयान्तर्गत संस्थान के विशेष व्यक्तियों द्वारा गुडरिक टी पैंकिग का लाइव डिमोस्टेशन दिया गया, इस झॉकी को शासन द्वारा तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण

5. डी.एड.विशेष शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता)

सस्थान द्वारा वर्ष 1992 से D.Ed. SEID विशेष शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता) भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त एवं राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान चेन्नई द्वारा सम्बद्धता प्राप्त कर 30 सीटों पर पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संस्थान में देश के विभिन्न प्रदेशों से प्रशिक्षणार्थी प्रवेश लेकर अध्ययन कर रहें है। अब तक लगभग 560 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न प्रदेशों में अपनी सेवाऐं दे रहे हैं। संस्थान ने D.Ed. SEID के 29 वर्ष पूरे कर लिये है। इस बर्ष भी संस्थान में 30 विद्यार्थीयों ने प्रवेश लिया जिनका चयन भारतीय पुर्नवास परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित Online परीक्षा के माध्यम से किया गया।

6. बी.एड.विशेष शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता)

संस्था में वर्ष 2010 से बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त नियमित पाठ्यक्रम B.Ed. –SEID (विशेष शिक्षा में मानव संसाधन की वृद्धि हेतु) संचालित किया जा रहा है। B.Ed. –SEID पाठ्यक्रम में वर्तमान समय में 16 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। वर्ष 2010 से अब तक लगभग 160 प्रशिक्षाणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है जो देश के विभिन्न संस्थानों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहें हैं। बी.एड. पाठ्यक्रम में नियमित पद्धति से विशेषज्ञ प्राध्यापकों द्वारा शैक्षणिक कार्य किया जा रहा है।

7. एम.एड.विशेष शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता)

संस्था में वर्ष जुलाई 2016 से बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त M.Ed. –SEID नियमित पाठ्यक्रम (विशेष शिक्षा में मानव संसाधन की वृद्धि हेतु) संचालित किया जा रहा है। M.Ed. –SEID पाठ्यक्रम में अब तक 51 विधार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है/प्राप्त कर चुके है।

- कोविड–19 के कारण मई 2020 से सभी पाठ्यक्रम की Online Classes के माध्यम से शिक्षण प्रशिक्षण व्यवस्था की गई है।

भविष्य की योजनाऐं

- समावेशित शिक्षा में मध्यप्रदेश में कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) को प्रशिक्षण देना।
- मानव संसाधन के विकास के लिए क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आयोजित करना ।
- समावेशित शिक्षा में एक आदर्श विद्यालय की स्थापना करना।
- विश्वविद्यालयों से सम्बंध स्थापित कर विशेष शिक्षा पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन केन्द्र बनाना।
- विशेष शिक्षा में कार्यरत अध्यापकों को लघु कालीन प्रशिक्षण विभिन्न विषयों में प्रदान करना।
- D.Ed. HI पाठ्यक्रम का संचालन करना।

..दिग्दर्शिका भोपाल..